कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या......0846849

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidat

(In Fi

(In W

THO

परीक्षा

शब्दों

e

नोट :– परी

भी भाग में अ

माध्यम– हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी साहित्य

परीक्षा का दिन ~~शुक्रवार~~ शनिवार

दिनांक 23-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	5
2	6	20	5
3	12	21	6
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर [signature] संकेतांक 35696

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ० 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(द)	(स)	(ब)	(द)	(ब)	(द)

12

(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(द)	(स)	(अ)	(अ)	(स)	(द)

उ० 2(i) प्रसाद गुण

(ii) काव्य दोष

(iii) 26 मात्राएँ (14-12)

(iv) लघु वर्ण का संकेत चिह्न '।'
गुरु वर्ण का संकेत चिह्न 'ऽ'

6

(v) तीन

(vi) अनुप्रास अलंकार

उ० 3 (i) जब काव्य मे उपमेय पर उपमान का आरोप किया जाये, अर्थात् उन्हे एक ही मान लिया जाये वहाँ रूपक अलंकार होता है।

1

(ii) मेघमय आसमान से उतर रही
संध्या सुंदर परी सी
धीरे धीरे धीरे।
[यहाँ प्रकृति के साथ मानवीय क्रियाओं से तुलना की है, 'संध्या' को सुन्दर परी के समान बताया है।]

1

(iii) जनसंचार के माध्यमों मे सबसे पुराना माध्यम प्रिंट (मुद्रण) है।

1

BSER-169 2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(iv)	समाचार की शुरुआत के प्रयुक्त होने वाले कोई दो ककार :- कब , कहाँ ।
1	(v)	विशेष लेखन की सूचनाओं के स्रोतों मे दो नाम:-
	(i)	प्रेस का कॉन्फ्रेंस और विज्ञप्तियाँ
	(ii)	इंटरनेट और दूसरे संचार माध्यम ।
1	(vi)	प्रसाद के "चन्द्रगुप्त" नाटक से 'कॉर्नेलिया का गीत' लिया गया है।
1	(vii)	'दूसरा देवदास' कहानी मे मन्नु की बुआ का नाम "पारो" था।
1	(viii)	निराला को "छायावादी" कविता का प्रवर्तक कवि माना जाता है।
1	(ix)	भरत ने बचपन मे राम की विशेष कृपा की रीति देखी जो कि भरत पर विशेष रूप से थी। वह उसे हारे हुए खेल मे जीता देते थे।
1	(x)	कविता के प्रमुख तत्व :- छंद, अलंकार, कथानक, बिंब।
1	(xi)	कथानक पात्रों व परिवेशों व समयों का संक्षिप्त मे उल्लेख करता है।
1	(xii)	समय के अनुसार नाटक केवल वर्तमान के ही होते हैं। नाटक मे कथानक, संवाद, पात्र, समय, वेशभूषा तथा उद्देश्य का विशेष स्थान है। नाटक मे पात्रों का होना

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जरूरी है तथा किसी घटना व मुद्दों का, समस्याओं का चयन आवश्यक है तथा इसका चुनाव भी किया जाता है।

उ० 4. रेडियो के लिए समाचार लेखन में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

(i) दी जाने वाली कॉपी साफ-सुथरी होनी चाहिए, स्थान को छोड़कर ही टाइप की जाने चाहिए। दोनों ओर हाशिये छोड़ें।

(ii) जटिल शब्दों का प्रयोग न करके सरल शब्दावली का प्रयोग करना चाहिए।

(iii) किंतु, उपर्युक्त, क्रमांक जैसे शब्दों का प्रयोग न करें।

(iv) 1-9 तक के अंकों को शब्दों और 11-999 तक को अंकों में लिखना चाहिए

2

उ० 5. विशेष लेखन की भाषा शैली: विशेष लेखन की भाषा सरल, सीधी अर्थात् सहज होनी चाहिए। कठिन शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। भाषा आम बोलचाल जैसी होनी चाहिए ताकि पाठकों को आसानी से समझ आ सके। विशेष लेखन में विशेष बातों पर ही ध्यान दिया जाना चाहिए। तथा लिखने की शैली पर ध्यान देना चाहिए।

2

उ० 6. 'संवदिया' कहानी में दिये गये कथन का निहित भाव यह है कि ~~हरगोबिन~~ हरगोबिन एक संवदिया है जो बड़ी बहुरिया का संवाद सुनने तथा जिसे भेजनो है, भेजने के लिए आया। बड़ी बहुरिया अपना संवाद अपने मायके भेजना चाहती थी। परंतु ~~हरबो~~ हरगोबिन उनका संवाद नहीं कह सका। क्योंकि वह बड़ी बहुरिया को अपने गाँव की लक्ष्मी मानता था। इसलिए बड़ी बहुरिया अपनी आर्थिक स्थिति के कारण यह गाँव छोड़कर ना जाये

2

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसलिए वह बड़ी बहुरिया से कहता है कि आप यह गाँव छोड़कर मत जाओ।

उ. 7. 'चार हाथ' लघुकथा ने मिल मालिक ने मजदूरो के अतिरिक्त हाथ लगवाने के लिए अनेक प्रयत्न किये।

(i) सर्वप्रथम उन्होने प्रसिद्ध वैज्ञानिको को बुलवाया कि वह मजदूरो के चार हाथ करें अर्थात् अतिरिक्त हाथ लगाये परंतु वह इस कार्य मे असफल रहे।

(ii) फिर मिल मालिक ने उनके लकड़ी के हाथ लगवाना चाहा परंतु यह भी असफल रहा।

(iii) फिर मिल मालिक ने मजदूरो के लोहे के हाथ लगवाने चाहे जिससे मजदूर ही मर गये।

अर्थात् मिल-मालिक ने अनेक प्रयास किये।

उ. 8. पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेर

पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेर का जन्म सन 1883 ई. जयपुर मे पुरानी बस्ती मे हुआ। यह अच्छे लेखक थे। इन्हे कई सम्मान, पुरस्कार भी मिले। इन्होने अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. भी किया। उन्होने कई कहानी, निबंध कर अपनी प्रसिद्धि प्राप्त की। इनकी मृत्यु सन 1922 ई. मे हुई। इनकी रचनाए:-

रचनाए :- "सुखमय जीवन", "बुद्धू का काँटा" तथा "उसने कहा था"

उ. 9. "दिशा" कविता केदारनाथ द्वारा लिखी एक कविता है। इसमे कवि ने बालमनोविज्ञान का चित्रण कर बताया है कि जब कवि द्वारा पूछा जाता है कि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हिमालय किधर है? तब बालक अपनी पतंग का संकेत करता है अर्थात जहाँ उसकी पतंग अर्थात जिस दिशा में बालक की पतंग उड़ रही है वही हिमालय है। बालक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता प्रतीत होता है उस बालक की पतंग तथा उस बालक की तरह हमें भी अपनी दिशा का प्रतिपाद उसका ज्ञान होना चाहिए। बालक की पतंग जिस दिशा में वही उसका भरोसा, उमंग तथा हिमालय की ऊँचाईयाँ है।

2

उ. 10. माँ सरस्वती जो जग की विद्या की देवी है उसकी उदारता का बखान कौन करता है। अर्थात कौन ऐसा ही, कौन कवि ऐसा है जो उनकी सुंदरता तथा उदारता का वर्णन कर सके। चार मुख वाले ब्रह्म अर्थात उनके पति, पाँच मुख वाले शिव अर्थात उनके पुत्र तथा छह मुख वाले कार्तिकेय उनके पौत्र भी सम्पूर्ण वर्णन नही कर सके क्योंकि देवी सरस्वती की उदारता दिन प्रतिदिन अधिक होती है तो कोई भी कवि या सामान्य व्यक्ति उनकी उदारता का वर्णन नही कर सकते है अर्थात वह असमर्थ है।

2

उ. 11. विद्यापती का साहित्यिक परिचय :-

विद्यापती का जन्म सन् 1380 ई. में बिहार में हुआ। इनका जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ जो विद्या व ज्ञान से सम्पन्न था। विद्यापती संस्कृत, मैथिली व अपभ्रंश तीनों भाषाओं में रचनाएँ करते थे। साहित्य, संगीत, इतिहास, भूगोल जैसे विषयों के यह प्रकाण्ड पंडित थे। यह आदिकाल व भक्तिकाल के संधि कवि माने जाते है। →

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		रचनाएँ :- कीर्तिलता, पुरुष परीक्षा, कीर्तिपताका (संस्कृत व अपभ्रंश में) पदावली (मैथिली भाषा में)
2	उ० 12.	जब भैरों की पत्नी अपने पति के मार से बचने के लिए सूरदास की झोंपड़ी में गई। और जब भैरों अपनी पत्नी को मारने के लिए उसके पीछे सूरदास की झोंपड़ी में गया। तो सूरदास ने उसे मारने से रोक लिया। तब गाँववालों ने भैरों की पत्नी व सूरदास को एक ही झोंपड़ी में देखा तो उसकी बदनामी कीं। तथा भैरो ने बदला लेने के लिए उसकी झोंपड़ी में आग लगा दी
2	उ० 13.	भूप दादा पहाड़ पर अकेला रहता था। पहले वह अपनी माता-पिता (माँ-बाबा) के साथ रहता था परंतु एक बार हिमांग पर पहाड़ टूटकर गिरने जाने से उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई। कुछ समय बाद उनकी पत्नी शैला ने भी आत्महत्या कर ली। इसके कारण उसका पुत्र महीप भी अपने पिता को अपनी माँ का मौत का कारण मान घर छोड़कर चला गया। तब भूपदादा ने रूपसिंह से कहा यदि तुम यहाँ होते तो माँ-बाबा को हम दोनों मिलकर बचा लेते परंतु अब मैं अकेला ही रह गया।
	उ० 14.	"अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता" पाठ मध्यप्रदेश से सम्बंधित है। इसमें लेखक ने मालवा-प्रदेश की मिट्टी, नदियों के उद्गम व विस्तार का वर्णन कर बताया है कि औद्योगीकरण के

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नाम पर पर्यावरण का विदोहन हो रहा है। पर्यावरण धीरे-धीरे प्रदूषित हो रहा है। औद्योगिकरण के कारण अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ यह क्षेत्र अर्थात मालवा भी पर्यावरण प्रदूषण के चपेट मे आ गया। मालवा क्षेत्र मे कवि ने खूब मनाओ दसेरा दिवाली के आधार पर यही स्पष्ट किया है। अब तो मालवा के लोग ही अपने डग-डग रोटी, पग-पग नीर, जैसी सभ्यता को उजाड़ने मे लगे हैं। नगरीकरण से पर्यावरण पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा है जो कि एक चिंता का विषय है।

2

---

15. 'आरोहण' कहानी मे पर्वतो का सौंदर्य का वर्णन किया है। जहाँ पर्वतारोहण का विशेष वर्णन किया है। जिसका अर्थ है पर्वतो पर चढ़ना। वर्तमान समय मे पर्वतो पर चढ़ने का शिक्षा-प्रशिक्षण दिया जाता है परंतु आरोहण कहानी मे वर्णित माही गाव मे लोगो को पर्वत पर चढ़ने की शिक्षा लेनी की आवश्यकता नही है क्योंकि वहाँ के लोग दिन-प्रतिदीन पर्वत पर चढ़ते-उतरते रहते है जिससे उनका अच्छा प्रयास हो गया। पर्वतो पर वह किसी सहारे के बिना तथा बिना किसी उपकरण के आसानी से पहाड़ो पर चढ़ जाते हैं। पर्वतो का सौंदर्य बहुत अच्छा होता है। पर्वतो पर रहने वाली स्त्रियों का स्वभाव बहुत अच्छा होता है वह दिखने मे भी बहुत सुंदर होती है वह गृहस्थी कार्य मे अपने पति का हाथ बढ़ाती हैं। वह बहुत अच्छे हृदय, कोमल स्वभाव की होती है इस प्रकार पर्वतीय जीवन व पर्वतीय सौंदर्य बहुत अच्छा होता है वहाँ नदियाँ व झरने स्रोत भी होते है जो दिखने मे

2

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आकर्षक करने वाले होते है।

उ. 19. राघौं! .... निपट बिसारे',

सप्रसंग :- यह पद्यांश कवि तुलसीदास जी द्वारा रचित पदावली से उद्धृत है इस पद्यांश मे कवि ने माता कौशल्या द्वारा घोड़ो का बहाना बनाकर अपने पुत्र को वापस बुलाने का वर्णन किया है।

व्याख्या :- माता कौशल्या अपने पुत्र को स्मरण कर उसे अपना संदेश देते हुए कहती है कि हे राघौं! अर्थात हे प्रिय पुत्र राम! तुम एक बार फिर से आ जाओ। तथा घोड़ो के बारे मे माता कौशल्या कहती है कि यह घोड़े देखो जो तुम्हारे है। इनकी दशा को देखकर तुम यहां आ जाओ, यह दिन प्रतिदिन दुर्बल होते जा रहे है। जिन्हे तुम अपने कमल रूपी हाथों से पानी पिलाते थे और उन्हे पुचकारते (सहलाते) थे, कैसे जीवित रहेंगे यह तुम्हारे बिना, हे मेरे प्रिय पुत्र राम! तुम इनके लिए वापस आ जाओ,

विशेष :-

(i) माता कौशल्या अपने पुत्र राम को घोड़ो का बहाने बनाकर उन्हे वनगमन से वापस बुलवाना चाहती है।

(ii) अनुप्रास व "कर-पंकज" मे रूपक अलंकार है।

(iii) ब्रज भाषा का प्रयोग है भाषा सरल है,

(iv) भावानुरूप भाषा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ. चौधरी साहब .... वक्रता रहती थी।

सप्रसंग :- यह गद्यांश लेखक 'रामचन्द्र शुक्ल' द्वारा "प्रेमघन छाया स्मृति" पाठ से लिया गया है। यहाँ लेखक ने चौधरी साहब प्रेमघन के पहनावे व रहन-सहन का वर्णन किया है।

व्याख्या :- लेखक शुक्ल जी कहते है जिससे मुझे .... मिलता था अर्थात् चौधरी साहब से तो अब अच्छी तरह परिचय हो गया। मैं उन्हे अब अच्छी तरह से जान गया है अब तो मैं उनके पास एक लेखक की हैसियत से जाया करता था। उनके पहनावे व उनके रहन-सहन को देखकर हम सब उन्हे एक पुरानी चीज समझते थे। जिस प्रकार एक व्यक्ति को पुरानी चीजों भावों के प्रति लगाव होता है उसी प्रकार हमारा भाव भी उनके साथ ऐसा ही था। हम इन्हे पुरातत्व की चीज समझते थे। इनका पुरातत्व हमारी दृष्टि में प्रेम व कुतूहल की तरह एक अद्भुत मिश्रण की तरह रहता था। इनका पहनावा व रहन-सहन अलग अंदाज में था। यह दिखने में एक खासे हिंदुस्तानी रईस लगते थे। बसंत पंचमी होली जैसे त्योहारो में उनकी रईसी ही टपकती है उनके यहाँ प्रत्येक त्योहारो में नाचरंग व उत्सव होते थे। वह हाजिरजवाब थे। उनके बाल कंधो तक लटके रहते थे। एक छोटा लड़का उनके लिए पान की तश्तरी (डब्बा) को उनके पीछे-2 चलता था। उनके बात करने का अंदाज अलग ही था जिससे उनके बात का अर्थ भी अद्भुत होता था। उनके मुख से निकली

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हर बात विलक्षण वक्ता सी लगती थीं। अर्थात् उनकी बात करने का अंदाज अलग ही था।

विशेष:
(i) लेखक ने उपाध्याय चौधरी साहब की विशेषता, उनका पहनावा का वर्णन किया हैं।
(ii) उन्होंने उनके रहन-सहन का चित्र-वर्णन किया हैं।
(iii) भाषा सरल व सहज हैं।

क. 21. कोरोना वायरस:- नयी चुनौतियाँ

(i) प्रस्तावना :- देश में, विश्व में अनेक घटनाएँ, अनेक बीमारियाँ, अनेकों परिस्थितियाँ आती हैं। जिसका सामना पूरे विश्व को करना पड़ता हैं। विश्व मे फैली कोरोना महामारी विश्व के लिए एक चुनौति के रूप में सामने आयीं।
कोरोना वायरस जैसी बीमारी विश्व को अपनी चपेट मे ले लेती हैं। इस वायरस का आरम्भ चीन में वुहान क्षेत्र में हुआ। इस वायरस का पता 31 दिसम्बर 2019 को चला। भारत में इसे कोविड-19 का नाम दिया जहाँ 'को' का अर्थ "कोरोना" तथा 'वि' का अर्थ "वायरस" तथा "ड" का अर्थ डिसीज अर्थात् बीमारी। तथा इसकी जाँच 2019 में हुई तो 2019 का पीछे का अंक 19 लिया अर्थात् कोविड-19। जिसका पूरे विश्व पर असर पड़ा हैं।

(ii) कोरोना काल का आर्थिक व सामाजिक प्रभाव :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कोरोना वायरस का पूरे विश्व पर लगभग सभी देशों को सामना करना पड़ा। इसका सभी देशों पर आर्थिक व सामाजिक रूप दोनों रूप पर असर पड़ा। इसके कारण पूरे देश भर में लॉकडाउन लगाया गया। जिससे व्यक्तियों के कार्य, मजदूरों अन्य लोगों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा। यह पूरे विश्व में चिंता का विषय बन गया। कोरोना वायरस महामारी से व्यवसाय, स्कूलों, महाविद्यालय तथा विद्यार्थियों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। जिससे उनका कई हद तक नुकसान हुआ। समाज, देश में सरकार को भी बहुत हानियों का सामना करना पड़ा। चिकित्सकों को भी कई समस्यों का सामना कर अपना जीवन से संघर्ष करना पड़ा। चिकित्सालयों में कई दवा, क्वॉरइनटाइन, कई उपकरणों का प्रबंध करने पर भी कमी का सामना करना पड़ा।

6

(iii) कोरोना वायरस के लक्षण व उपाय :- लक्षण :-
इसके लक्षण फ्लू के समान ही है जैसे :- खाँसी आना, सर दर्द होना, साधारण जुखाम, बुखार, छींके आदि हैं। किसी भी व्यक्ति को यदि कोरोना वायरस है तो उसके सम्पर्क में आने वाले अन्य व्यक्ति को भी यह बीमारी हो सकती है। एक-दूसरे को छूने तथा भीड़ की जगह जाने से भी इस महामारी का सामना करना पड़ सकता है।

उपाय :- कोरोना जैसी महामारी बहुत ही भयानक है परंतु इससे बचने के अनेकों उपाय है जिसे हर व्यक्ति, देश के प्रत्येक नागरिक को अपनाने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

चाहिए। खाना खाने से पहले व बाद में हाथ धोने चाहिए। दिन में बार-बार साबुन का इस्तेमाल कर हाथ धोने चाहिए। मास्क का प्रयोग करना चाहिए, छींकते व खाँसते समय टिसू पेपर/रूमाल का प्रयोग करना चाहिए। दो गज की दूरी हर व्यक्ति से बनाये रखना चाहिए। घर से कम बाहर जाना चाहिए। अपने हाथों से अपने चेहरे को छुने से बचाना चाहिए।

उपसंहार :- कोरोना महामारी पूरे विश्व के लिए एक चुनौती है। इस महामारी का सामना हर व्यक्ति को करना चाहिए। इसके बचाव के उपाय को प्रत्येक नागरिक द्वारा अपनाना चाहिए। जितने हो सके प्रयास करने चाहिए तथा इसके प्रति देश भर को जागरूक करना चाहिए।

---

3 | 16. (ख) विकास के नाम पर पर्यावरण विनाश का सामना हर व्यक्ति को करना पड़ रहा है। विकास के नाम विस्थापन की यातना को आज मनुष्य ही भोग रहा है। औद्योगीकरण के कारण लोगों को अपने गाव, घर व परिवेश से विस्थापित किया जा रहा है। औद्योगीकरण, नगरीकरण द्वारा विस्थापित लोग अपने घर, गाँव वापस नहीं आ सकते है। औद्योगिकरण करना सही है परंतु इससे पर्यावरण का विदोहन करना गलत है। सिंगरौली जैसा क्षेत्र जहाँ हरियाली थी वहाँ सरकार ने घोषणा कर दी कि अमरौली पावर प्रोजेक्ट

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

का कार्य नवागाँव के 'अमझर' गाँव में होगा जिससे उन लोगों का विस्थापन कर दिया। वह अपनी जन्मभूमि, अपने परिवेश व अपनी संस्कृति से दूर विस्थापित हो गये। विकास के नाम पर पर्यावरण का ~~विनास~~ विनाश हो रहा है जिससे मनुष्यों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

उ० 17. 'कॉर्नेलिया का गीत' कविता में कवि ने भारत की विशेषता के लिए कॉर्नेलिया के माध्यम से भारत देश की विशेषता व्यक्त की है। संध्या के समय नदी के किनारे बैठी कॉर्नेलिया गीत गाते हुए भारत देश की विशेषता बताती है कि यहाँ अनजान लोगों को सहारा मिलता है। परदेशी भारत देश को स्वयं का देश मानते हैं। भारत देश महान है यहाँ सूर्य की किरणे आती है तथा तरु की शाखाओं पर विश्राम करती है पेड़ों की ऊँची शाखाओं पर नृत्य करती है अर्थात् फैली रहती है ऐसा लगता है जैसे किसी ने ~~कुक~~ कुमकुम शाखाओं पर बिखरा हो। भारत देश एक आश्रय का देश है यहाँ पक्षी भी अपना बसेरा बनाते है तथा महासागरों व सागरों का पानी भारत तट पर आकर ही विश्राम करते हैं। भारत देश बहुत ही सुन्दर है तथा यहाँ के लोग और भी सुन्दर, कोमल स्वभाव के है जिनके अंदर कोमलता, प्रेम व दीनता भरी है।

उ० 18. सूरदास की चारित्रिक विशेषताएँ निम्न हैं:-

(i) दृष्टिहीन व गरीब:- सूरदास दृष्टिहीन और गरीब है फिर भी वह भीख माँगकर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अपना जीवन ~~व्यति~~ व्यतीत होता है। वह भीख माँगकर अपना भरण-पोषण करता है।

संकल्प का धनी :- वह संकल्प का धनी है वह पुरानी बातो को छोड़कर नये जीवन-जीने का संकल्प लेता है तथा नये-जीवन की शुरुआत करता है।

कर्मठ व्यक्ति :- वह एक कर्मठ व्यक्ति है वह भीख माँग-माग कर रुपयों को जोड़ता है ~~तथा~~ ताकि गया जाकर पिण्डदान कर सके, मिठुआ का विवाह कर सकें। और गाँव मे एक कुआ बनवा सके।

साहसी :- वह एक साहसी, हिम्मतवाला व्यक्ति है। वह किसी भी बात मे हिम्मत नही हारता बल्कि आगे बढ़ता चलता है।

पुनर्निर्माण की आस्था व आशावादी :- सूरदास पुरानी बातो को छोड़कर पुनर्निर्माण पर विश्वास करता है वह कहता है कि यदि कोई सौ लाख बार भी मेरा घर उजाड़े मै फिर बना लूगा।

वह धैर्यवान, साहसी व हिम्मत वाला व्यक्ति है। जब उसके पैसे जल गये तो उसने कहा कि मैंने ही कमाये थे फिर कमा लूगा। इस प्रकार

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
4		वह बहुत ही आशावादी व्यक्ति था
		"समाप्त"

BSER-169/2021

Previous Pathshala